सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 184 | इंदौर, शनिवार 17 जनवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी, यूपी के 53 शहरों में घना कोहरा

40 गाड़ियां टकराईं, 5 मौत, 50 से ज्यादा घायल; 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, (एजेंसी) कश्मीर से हिमाचल प्रदेश तक ऊंचाई वाले इलाकों में शुक्रवार को बर्फबारी हुई। जिससे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड समेत 12 राज्यों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है।

यूपी के 53 शहरों में घना कोहरा छाया है। इसकी वजह से 10 जिलों में 35 गाड़ियां टकरा गई। हादसों में 2 लोगों की मौत हुई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए। वंदे भारत समेत 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। वहीं सर्दी के चलते नोएडा, ग्रेटर नोएडा, सहारनपुर, बदायूं और संभल में 8वीं तक के स्कूल बंद हैं। अमृतसर में भी सुबह 7 बजे तक कोहरे के कारण दृश्यता जीरो रही। दिल्ली में भी घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 20 मीटर से भी कम हो गई।

इधर, मध्य प्रदेश के मंदसौर में पारा 2.5C, हरियाणा के भिवानी में 1.5C और पंजाब में नवांशहर का तापमान 0.9C रिकॉर्ड किया गया। वहीं उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में नदी नाले जम चुके हैं। कई जगह पाइपलाइनों में पानी जम गया है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.5C दर्ज किया गया, जबकि पुलवामा में यह माइनस 4.6C तक गिर गया।

कटाक्ष

पंचायत सचिवों को बड़ी सौगात

7वां वेतनमान, 62 वर्ष सेवा आयु और सेवा शर्तों पर बनेगी समिति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत सचिवों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि पंचायत सचिवों की सेवा आयु सीमा बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है। उन्हें सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाएगा और विशेष भत्ता भी मिलेगा। सेवाकाल के दौरान पंचायत सचिव की मृत्यु होने पर परिवार को दी जाने वाली 1.5 लाख रुपये की सहायता राशि अनुकंपा नियुक्ति के बाद वापस नहीं ली जाएगी। साथ ही वेतनमान और अन्य सेवा शर्तों पर विचार के लिए समिति गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय पंचायत सचिव सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा गांवों में बसती है और देश का विकास तभी संभव है, जब गांव मजबूत और समृद्ध होंगे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी उद्योग और विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

कहा कि पंचायत सचिवों की चिंता करना सरकार का कर्तव्य है।

के प्रशिक्षण से प्रशासनिक संस्कृति में सकारात्मक बदलाव लाया गया है।

● पंचायत सचिव योजना को कागज से जमीन पर पहुंचाते है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में पंचायत सचिव जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की धुरी हैं। वे सरकारी योजनाओं को कागज से जमीन तक पहुंचाते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना हो या सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, पंचायत सचिव ग्रामीण परिवारों के लिए एक जिम्मेदार सदस्य की तरह कार्य करते हैं। उन्होंने

● पंचायत सचिवों के लिए जिला स्तर पर कैडर का गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत सचिवों के लिए जिला स्तर पर कैडर का गठन किया जा रहा है और उन्हें डिजिटल भारत के अनुरूप सभी आधुनिक तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पंचायतों को सम्मान, संसाधन और आधुनिक सुविधाएं देने के लिए अटल भवन और सामुदायिक भवनों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों

● सचिवों को दायित्व केवल नौकरी नहीं, जनसेवा का अवसर है

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा कि पंचायत सचिवों का दायित्व केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का पवित्र अवसर है। वहीं पंचायत सचिव संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राजेश पटेल ने मुख्यमंत्री के निर्णयों को पंचायत सचिवों के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

भागीरथपुरा में नई नर्मदा लाइन से सप्लाई शुरू, मेयर ने पानी पीकर की टेस्टिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में 15 दिन बाद नगर निगम ने नई नर्मदा लाइन से साफ पानी की आपूर्ति शुरू की है, हालांकि बस्तीवासियों को इस पानी को पीने से मना किया गया है। नगर निगम अफसरों ने स्पष्ट किया है कि अभी यह पानी केवल नहाने और घरेलू कार्यों के लिए उपयोग में लिया जा सकता है। पानी की जांच के बाद ही यह फैसला लिया जाएगा कि पानी की गुणवत्ता ठीक है या नहीं।

शुक्रवार को बस्ती में नर्मदा लाइन की टेस्टिंग की गई। दूषित पानी पीने से लोगों के बीमार होने के बाद नगर निगम ने नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य दस

दिन पहले शुरू किया था, जो अब जाकर पूरा हुआ। फिलहाल बस्ती के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में नई लाइन से नर्मदा का पानी सप्लाई किया जा रहा है। बाकी क्षेत्रों में पुरानी पाइप लाइन काफी खराब हो चुकी है, जिन्हें बदलने में दो से तीन माह का समय लगेगा। नर्मदा लाइन की टेस्टिंग के दौरान मेयर पुष्यमित्र भार्गव स्वयं बस्ती में मौजूद रहे। सप्लाई के दौरान उन्होंने पानी पीकर उसकी शुद्धता की जांच भी की। इससे पहले पिछले सप्ताह भी लाइन की टेस्टिंग की गई थी लेकिन उस दौरान तीन स्थानों पर लीकेज सामने आए थे, जिन्हें बाद में ठीक किया गया। इस बस्ती में दूषित जलापूर्ति की समस्या को लेकर करीब सात माह पहले क्षेत्रीय पार्षद द्वारा नई पाइप लाइन बिछाने के लिए पत्र लिखे गए थे। स्वीकृति मिलने के बावजूद प्रस्ताव में देरी होती रही। इसी बीच दूषित पानी के कारण बस्ती में डायरिया और हैजा फैल गया। इस महामारी में अब तक एक हजार से अधिक लोग बीमार पड़ चुके हैं, जबकि दूषित पानी के सेवन से 24 लोगों की मौत हो चुकी है। 8 मरीज अब भी आईसीयू में भर्ती हैं। नगर निगम द्वारा बस्ती में 60 से अधिक टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है लेकिन पाइप लाइन के डालने के लिए चल रही खुदाई के कारण कई गलियों में टैंकर नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को भारी जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

हवन-अनुष्ठान कर जीत की कामना की

भारत-न्यूजीलैंड मैच से पहले मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे गौतम गंभीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में रविवार को होने वाले मैच को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। भारतीय और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम इंदौर पहुंच गई हैं। मैच से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर शुक्रवार को आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे। यहां वे हवन-अनुष्ठान में शामिल हुए और वैदिक मंत्रोच्चार किया।

पूजन अनुष्ठान के बाद गौतम गंभीर ने माता के दरबार में कुछ समय बिताया। गर्भगृह में मुख्य पुजारी दिनेश गुरू ने उन्हें माता की चुनरी ओढ़ाई। इधर, इंदौर में दोनों ही टीमें प्रैक्टिस करने मैदान में उतरीं। इधर क्रिकेटर केएल राहुल उज्जैन में महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा की।

क्रिकेट एक्सपर्ट का कहना है कि ड्यू यानी ओस गिरने से शाम होते-होते बॉलिंग करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, इंदौर के दर्शकों को इस बार सबसे ज्यादा उत्साह रोहित और विराट को लेकर है। एक्सपर्ट का मानना है कि रोहित अच्छी शुरुआत देंगे, लेकिन अपने व्यक्तिगत स्कोर को 200 तक इस पिच पर नहीं ले जा पाएंगे। इंदौर के होलकर मैदान के रिकॉर्ड की बात करें तो यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा माना जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंदौर के मैदान में अधिकांश समय पहले बैटिंग करने वाली टीम जीतती है, लेकिन कल के मैच में ओस गिरने के कारण पहले फील्डिंग करना ज्यादा ठीक रहेगा।

बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर छापा

इंदौर। इनकम टैक्स विभाग ने सड़क निर्माण करने वाली कंपनी बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर छापा मारा है। कंपनी के सपना-संगीता रोड स्थित कार्यालय और कंपनी के डायरेक्टर के घर पर सर्वे चल रहा है।

शुक्रवार अलसुबह इनकम टैक्स की टीमें इन ठिकानों पर पहुंचीं और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की विशेष रूप से जांच की जा रही है। बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड इंदौर की एक प्रमुख निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। कंपनी की स्थापना 1986 में हुई थी। 2005 में यह प्राइवेट लिमिटेड बनी और बाद में पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित हुई। यह कंपनी सड़क, राजमार्ग, पुल और इमारतों के निर्माण के साथ-साथ आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) की आपूर्ति, टोल कलेक्शन और इंदौर में बीआरजी हिल व्यू जैसे आवासीय प्रोजेक्ट्स का संचालन करती है। इसके अलावा कंपनी देशभर में अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सक्रिय है। इनकम टैक्स विभाग को कंपनी के कामकाज, बड़े पैमाने पर लेन-देन और टैक्स में गड़बड़ी से संबंधित सूचनाएं मिली थीं। इसी के आधार पर शुक्रवार सुबह सर्वे की कार्रवाई शुरू की गई।

शादी के बाद मप्र आई महिलाओं को आरक्षण से वंचित नहीं किया जा सकता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने आरक्षण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में महिलाओं के पक्ष में स्पष्ट रुख अपनाया है। अदालत ने कहा है कि शादी के बाद किसी अन्य राज्य से मध्यप्रदेश में आकर स्थायी रूप से निवास करने वाली महिलाओं को आरक्षण का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता, यदि उनकी जाति या समुदाय दोनों राज्यों में एक ही आरक्षित श्रेणी में आता हो।

यह प्रकरण उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती से जुड़ा था। कुछ महिला अभ्यर्थियों ने आरक्षित वर्ग के तहत आवेदन किया, लिखित परीक्षा में सफलता भी हासिल की, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के समय यह कहकर उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी गई कि उनके पास मध्यप्रदेश के बजाय मूल राज्य का जारी किया हुआ जाति प्रमाण पत्र है। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि उन्होंने मध्यप्रदेश का डोमिसाइल प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है और उनका जाति प्रमाण पत्र भी विधिसम्मत है, इसलिए उन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। दूसरी ओर राज्य सरकार ने तर्क रखा कि आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को दिया जा सकता है, जिनके पास मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र हो। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस जयकुमार पिल्लई की खंडपीठ ने कहा कि भर्ती नियमों और विज्ञापन में जो पात्रता शर्तें तय हैं, उनके अलावा कोई नई शर्त जोड़ना उचित नहीं है। केवल इस आधार पर कि जाति प्रमाण पत्र दूसरे राज्य से जारी हुआ है, महिला अभ्यर्थियों के आरक्षण अधिकार समाप्त नहीं किए जा सकते, जब तक नियमों में इसका स्पष्ट प्रावधान न हो। अदालत ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी यह जांच करें कि अभ्यर्थियों की जाति दोनों राज्यों में समान आरक्षित श्रेणी में आती है या नहीं, और इसके बाद नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाए।

विद्यार्थियों को बताये गये पर्यटन के महत्व-पर्यटन के प्रति बच्चों को किया गया जागरूक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भारत पर्यटन इंदौर पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा केंद्रीय विद्यालय कसरावद के युवा टूरिज्म क्लब के विद्यार्थियों एवं अन्य विद्यार्थियों को पर्यटन के महत्व एवं पर्यटन में केरियर बनाने एवं भारत सरकार की पर्यटन योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय कसरावद के लगभग 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पर्यटन विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पर्यटन के प्रति जागरूक करना तथा पर्यटन स्थलों को साफ स्वच्छ रखने, विरासत को कोई क्षति ना पहुंचाएं, अगर कहीं कोई ऐसा करते हुए दिखे तो वह उन्हें भी ऐसा करने से रोकें। इस तरह से हमारे युवा पीढ़ी ही पर्यटन की ब्रांड एंबेसडर होगी। पर्यटन के प्रति जागरूक युवा ज्यादा से ज्यादा पर्यटन के क्षेत्र में अपना केरियर बनाने का भी प्रयास करेंगे।

सिंहस्थ 2028 के लिए कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा : मंत्री श्री सिलावट

- सांवेर क्षेत्र की 40 कालोनियों और 10 गांवों के एक लाख लोगों को होगा लाभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज कैलोदहाला में 32 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले कैलोदहाला-लसुडियामोरी रेलवे ओव्हर ब्रिज कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वर्ष 2019 में सांवेरवासियों से मिले आशीर्वाद के बाद से जनवरी 2019 से आज वर्ष 2026 तक इन 7 वर्षों में सांवेर विधानसभा में लगभग 974 करोड़ रूपये लागत की 906 किलोमीटर की 185 सडकों की स्वीकृति करायी गई है। इसमें लगभग 32 करोड रूपये की लागत से बनने वाला लसुडियामोरी-कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज भी शामिल है। इस महान उपलब्धि के लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह जी को धन्यवाद देता हूँ। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण होने पर आसपास की 40 कालोनियों और 10 गांवों के एक लाख लोगों को लाभ होगा। यह ब्रिज 800 मीटर लम्बा और 15 मीटर चौडा होगा, इसका निर्माण एक वर्ष के भीतर किया जायेगा, ताकि इसका लाभ आगामी सिंहस्थ 2028 में क्षेत्रीय लोगों को मिल सके। इस ब्रिज के बन जाने से 10 गांवों, कैलोदहाला, शक्करखेडी, ढाबली, मांगलिया, रामपिपलिया, गारीपिपलिया, भांग्या, जाख्या, जस्सा कराडिया, भानगढ, भवरासला के एक लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा और सिंहस्थ 2028 के मान से यह रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि यह रेलवे ब्रिज के निर्माण के बाद सिंहस्थ 2028 को देखते हुए मांगलिया रेलवे स्टेशन, बरलाई जागीर, पालिया, अजनोद, चन्द्रावतीगंज रेलवे स्टेशनों का उन्नयन होगा, जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

106 करोड़ का बायपास सालभर में हो गया खराब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा मुबंई राजमार्ग के घाट सेक्शन पर हो रहे हादसों की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 106 करोड़ का बायपास बनाया, लेकिन उसमें भी गड्ढे हो गए। इसे लेकर इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगी है। सुनवाई में एनएचएआई की तरफ से मुबंई से वरिष्ठ अभिभाषक एमवी कीनी आए थे। उन्होंने कोर्ट से कहा कि बायपास की मरम्मत का काम पूरा कर दिया गया है। अब कोई समस्या नहीं है।

हाईकोर्ट में मार्ग की बदहाली को लेकर लगी याचिका में याचिकाकर्ता बीके जैन के वकील ने कहा कि इंदौर के गणपति घाट पर दस साल में सड़क हादसे में 300 मौतें हो चुकी थी। लंबे समय से बायपास की मांग उठ रही थी। विभाग ने 8 किलोमीटर का बायपास 106 करोड़ की लागत से बनाया, लेकिन वह भी खराब हो गया। एनएचएआई की तरफ से कोर्ट में बायपास पर हुए निर्माण की स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को निर्देशित किया कि वे विभाग की स्टेटस रिपोर्ट को देखकर अगली सुनवाई पर वस्तुस्थिति स्पष्ट करें। अब इस मामले में अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी। आपको बता कि गणपति घाट पर ढलान ज्यादा होने के कारण यहां कई भारी वाहनों के ब्रेक फेल हो जाते है। इस कारण ब्रेक फेल होने वाले वाहन दूसरे वाहनों को टक्कर मार देते थे। कई बार वाहनों में आग भी लग जाती थी। इस समस्या को देखते हुए बायपास बनाया गया है।

कोर्ट ने कहा- नियंत्रित नहीं किया तो लगानी होगी पतंगबाजी पर रोक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिस चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगा है वह खुद शुक्रवार को कोर्ट में पेश हो गया। इंटरविनर के वकील खुद उसे लेकर कोर्ट पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह मांझा मकर संक्रांति पर उनकी छत पर आया था। कोर्ट ने चाइनीज मांझे से पेंसिल को काटकर देखा तो वह आसानी से कट गई। इस पर कोर्ट ने जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि आप एक्शन ले रहे हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। सख्ती के बावजूद चाइनीज मांझा बिक रहा है।

समाचार पत्रों में जो फोटो प्रकाशित हुए हैं उन्हें देखकर दिल दहल जाता है। गुजरात में इतना बड़ा आयोजन होता है लेकिन वहां से ऐसे कोई समाचार नहीं आते हैं। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए मुख्य सचिव से कहा कि आप चाइनीज मांझे को लेकर सख्त नीति बनाएं। स्थिति नियंत्रित नहीं होती है तो हमें पतंजबाजी पर रोक लगाना पडेगी। मामले में 9 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई होगी। चाइनीज मांझे मामले में एमपी हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर याचिका दायर की है। 11 दिसंबर 2025 को आदेश जारी कर कोर्ट ने इंदौर और आसपास के सभी जिलों में चाइनीज मांझा बनाने, बेचने, उपयोग करने को प्रतिबंधित कर दिया था। 12 जनवरी 2026 को हुई सुनवाई में कोर्ट ने जिला प्रशासन से कहा था कि वह आदेशों का सख्ती से पालन करें और सुनिश्चित करे कि चाइनीज मांझे की वजह से कोई हादसा न हो, बावजूद इसके मकर संक्रांति के दिन इंदौर और आसपास के जिलों में कई हादसे हुए। शुक्रवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने इन हादसों को लेकर नाराजगी जताई। कोर्ट ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सख्ती के बावजूद हादसे हुए यह बहुत दुखद है। याचिका में न्याय मित्र बनाए गए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक शरण ने चाइनीज मांझे पर नियंत्रण के लिए कुछ सुझाव भी दिए। कोर्ट ने मुख्य सचिव से कहा कि वह कोर्ट के आदेश और न्याय मित्र द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर नीति तय करें।

"दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ आयोजन'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इंदौर द्वारा उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के सहयोग से 'समकालीन कला साहित्य, संगीत एवं नृत्य का विज्ञान एवं समाज विज्ञान से अंतर्संबंध' विषय पर 16 और 17 जनवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन और चित्रकला विभाग एवं IQAC विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य कला एवं साहित्य को विज्ञान तथा समाज विज्ञान के साथ नए दृष्टिकोण से समझने तथा समकालीन संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कैनवास पर सभी अतिथियों द्वारा पेंटिंग बनाकर किया गया। अतिथियों का स्वागत परिचय एवं अभिनंदन कर संगोष्ठी की संयोजक डॉ. कुमकुम भारद्वाज ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी के संबंध में डॉ. सुधीर कुमार छारी ने इसकी आवश्यकता उद्देश्य और महत्व को विस्तार पूर्वक बताया। मुख्य अतिथियों में से डॉ. दीपक सालवी द्वारा संगोष्ठी के विषय पर बीज वक्तव्य दिया गया तथा डॉ कनुप्रिया ने कला, साहित्य, नृत्य, चित्र का आपस में अंतर्संबंध को बताया। डॉ. मीनाक्षी स्वामी ने अपने वक्तव्य में कहा कि कला का आगमन विज्ञान से भी पहले हुआ और मनुष्य ने गुफ़ाओं को अपना पहला कैनवस बनाया। साथ ही इन्होंने साहित्य और समाज का अंतर्सम्बन्ध बताया। डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव ने कला एवं कलाकारों की चुनौतियों को बताते हुए कहा कि उन्हें बाजारवाद से बचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कलाकार होने का अर्थ है संवेदनशील होना और कला के बिना मनुष्य पूंछ विहीन पशु है, कला ही है जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है।

मरीजों के परिजनों को फल वितरण किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। संस्था 'आनंद गोष्ठी' ने एमवाय हॉस्पिटल और चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के बाहर मरीजों के परिजनों को फल का वितरण किया गया। उपस्थित बच्चों को टॉफी भी बांटी गई। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा श्रीमती ऊष्मा गोविन्द मालू ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की खुशहाली ही असली मानवसेवा होगी। इस अवसर पर सुषमा मालू, पुष्पा ईनाणी, सुधा मालू, गरिमा काबरा, अंजली मालू, स्वाति देशपाण्डे, रीना विजयवर्गीय, विधि पाटोदी, ज्योति पण्डित सहित कई कार्यकर्ताओं ने मरीजों के बीच जाकर सेवा कार्य किया।

अनस ने अमन बनकर की छात्रा से दोस्ती

● बात करने से इनकार किया तो फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। किशनगंज थाना क्षेत्र में फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा को बात करने के लिए बाध्य करने का मामला सामने आया है। जब युवक ज्यादा परेशान करने लगा तो छात्रा बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के पास पहुंची और उन्होंने गुरुवार शाम युवक को पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की है।

छात्रा मेडिकेप्स कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है। उसने पुलिस को लिखित शिकायत दी है, जिसमें युवक अनस शाह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा ने शिकायत में बताया कि दो माह पहले ही उसकी पहचान अनस से हुई है। दोस्ती के दौरान उसने अपनी पहचान छिपाते हुए अपना नाम अमन शाह बताया। सच्चाई सामने आने के बाद जब उसने बातचीत बंद की, तो युवक ने साथ की तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर बात करने और मिलने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और लगातार पीछा करता रहा। बजरंग दल के देवा शर्मा ने बताया कि करीब दो महीने पहले छात्रा की पहचान कॉलेज के कुछ कॉमन फ्रेंड्स के जरिए अनस शाह से हुई थी। शुरुआत में मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ी। छात्रा का आरोप है कि युवक ने अपना परिचय इस तरह दिया, जिससे उसे लगा कि वह हिंदू है। इसी भरोसे में दोनों के बीच बातचीत आगे बढ़ी और कुछ तस्वीरें भी खींची गईं। छात्रा का बाद में पता चला कि अनस मुस्लिम है। इसके बाद बातचीत और संपर्क पूरी तरह बंद कर दिया।

छात्रा के मुताबिक 15 जनवरी 2026 को ग्राम पिगडंबर स्थित फॉरेस्ट कैफे में दोनों की मुलाकात हुई, जहां उसने साफ कह दिया कि वह अब आगे कोई संपर्क नहीं रखना चाहती और उसकी तस्वीरें डिलीट करने को कहा। आरोप है कि युवक ने तस्वीरें वायरल करने की धमकी दी और यह भी कहा कि अगर उसने किसी को बताया तो जान से खत्म कर देगा। छात्रा का कहना है कि धमकियों के बावजूद युवक उसका पीछा करता रहा। घटना से परेशान होकर उसने पूरे मामले की जानकारी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को दी, जिसके बाद आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा गया। अब किशनगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीजेपी नेता से पुलिस का हुआ विवाद

इंदौर। इंदौर के राऊ इलाके में थाने के सामने चेकिंग के दौरान स्थानीय बीजेपी नेता गोला उर्फ नरेंद्र मंडेला का पुलिसकर्मियों से विवाद हो गया। मौके पर टीआई राज राठौर सहित अन्य स्टाफ पहुंचा। बताया जाता है कि वहां तैनात डीआरपी के जवान ने बिना शराब पीए नेता को रोका था, जिससे वह नाराज हो गए। काफी देर तक बहस के बाद पुलिस ने उन्हें समझाइश देकर मौके से रवाना किया।

कार चालक ने पुलिसकर्मी को टक्कर मारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया इलाके में एक कार चालक ने नशे की हालत में तेज रफ्तार कार चलाते हुए एक पुलिसकर्मी को घायल कर दिया। आरोपी ने मौके पर लगी बैरिकेडिंग तोड़ दी और फरार हो गया। घायल पुलिसकर्मी को रात में साथी जवान अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया। डीआरपी लाइन के पुलिसकर्मी गुरुवार रात करीब 11 बजे लसूड़िया इलाके में सत्य साईं स्कूल के पास ड्रिंक एंड ड्राइव की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान इनोवा कार (क्रमांक MP09 BE 0227) का चालक तेज रफ्तार में चौराहे पर पहुंचा। पुलिस को देखकर उसने कार की रफ्तार और बढ़ा दी। बैरिकेड्स उड़ाते हुए कार आगे बढ़ गई। कार को रोकने के लिए पुलिसकर्मी रवि चंद्रवंशी बीच में आए, तभी कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। चालक मौके से फरार हो गया, जबकि उसकी कार की नंबर प्लेट सड़क पर गिर गई। घटना के बाद अन्य पुलिसकर्मी तुरंत घायल रवि चंद्रवंशी को बॉम्बे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक कार ड्राइवर पर शासकीय कार्य मे बाधा का केस दर्ज कर लिया गया।

युवक की सड़क हादसे में मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। देवगुराड़िया क्षेत्र में रहने वाले एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक रात में ड्यूटी खत्म होने के बाद बाइक से अपने ससुराल जा रहा था, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कनाड़िया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक हादसा गुरुवार रात करीब 9:30 बजे ग्राम बुराड़ाखेड़ी के पास हुआ। मृतक की पहचान मनीष गोयल (40) पिता मनोज गोयल निवासी दादरा मुंडला ग्राम देवगुराड़िया के रूप में हुई है। मनीष अपनी बाइक से इंदौर से ससुराल ग्राम केमाना की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मनीष सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा रहा। वहां से गुजर रहे लोगों ने उसे देखा और उसके मोबाइल से उसके साले को घटना की सूचना दी। इसके बाद एम्बुलेंस से मनीष को एमवाय अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान रात करीब एक बजे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मनीष की पत्नी अपने मायके में ही थी। हादसे से पहले रात में मनीष की पत्नी से बात हुई थी, जिसमें उसने ससुराल में ही रुकने की बात कही थी। मनीष के परिवार में पत्नी, एक बेटा, भाई और माता-पिता हैं। वह पेशे से लोडिंग वाहन चालक था।

महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी

इंदौर। गांधी नगर इलाके में एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। दोपहर में पति ने कमरे में उसे फंदे पर लटके देखा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। महिला का मायका देवास में है। उन्हें सूचना दे दी गई है।

गांधी नगर पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर उन्हें सूचना मिली थी कि सुपर कॉरिडोर में रहने वाली मुस्कान (32), पति अश्विन प्रजापति ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय वह अपने दो साल के बेटे के साथ कमरे में थी। दोपहर में बेटे को सुलाने के बाद उसने यह कदम उठाया। पति अश्विन ने पुलिस को जानकारी दी। अश्विन और मुस्कान की शादी को करीब चार साल हुए हैं। अश्विन इलाके में ही एक कैफे संचालित करता है। बताया जाता है कि मुस्कान की सास सुबह घर से झगड़ा करने के बाद किसी रिश्तेदार के यहां चली गई थी। मायके पक्ष से मामी सीमा ने बताया कि आए दिन पति अश्विन और सास सुनीता उसे किसी न किसी बात को लेकर परेशान करते थे। गुरुवार को मुस्कान अपने ससुराल आई थी। उसने पहले अपनी मां से इंदौर ससुराल आने की बात से इनकार किया था, लेकिन परिवार के लोगों ने उसे समझाकर भेज दिया था। इसके बाद सुबह मां ने देवास से बेटी मुस्कान को कॉल किया। उसने फोन नहीं उठाया तो उन्होंने जमाई अश्विन को कॉल किया। जब वह घर पहुंचा तो पत्नी फंदे पर थी। मुस्कान के परिवार में उसके दो भाई हैं, वहीं पिता नगर निगम में नौकरी करते हैं। पुलिस के मुताबिक, अभी मुस्कान के माता-पिता के बयान नहीं हो पाए हैं। मामले में जांच की जा रही है।

आदिवासी छात्रावास में जहरीला भोजन! खाना खाने से छात्र की मौत!

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश जबलपुर जिले के हरदुली आदिवासी छात्रावास में दूषित भोजन खाने के कारण छात्र की मौत हुई थी। पुलिस ने आरएफएसएल रिपोर्ट के आधार पर छात्रावास अधीक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। हालांकि आरोपी छात्रावास अधीक्षक की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय से मिली जानकारी अनुसार कुंडम थानान्तर्गत हरदुली आदिवासी छात्रावास में रहने वाले लगभग एक दर्जन छात्र विगत 18 अगस्त को भोजन करने के बाद बीमार हो गए थे। बच्चो का उपचार समीप स्थित गांव में रहने वाले कथित डॉक्टर से करवाने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया था। छात्रावास में रहकर कक्षा नवमी में पढने वाले छात्र राजकुमार धुर्वे उम्र 14 की घर पहुंचने के बाद अधिक तबीयत खराब हो गई थी। परिजन उसे दूसरे दिन कुंडम अस्पताल में भर्ती किया गया था। छात्र की हालत नाजुक होने के कारण उसे जबलपुर स्थित मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गइ थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया था।

किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, शहडोल में असम के विद्यार्थी के साथ हुई मारपीट पर संज्ञान लेते हुए कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में असम के विद्यार्थी के साथ छात्रावास में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी जिम्मेदारी लेते हुए आरोपी छात्रों के विरूद्ध अपने स्तर पर आवश्यक एक्शन लिया है।

सीएम बोले-हनुमान की तरह असंभव काम करते हैं पंचायत सचिव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा गांवों में वास करती है। महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा- अगर भारत को आगे बढ़ाना है तो गांव, किसान और गरीब की प्रगति पर ध्यान देना होगा, देश अपने आप आगे बढ़ जाएगा। सीएम ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में सबसे मजबूत इकाई पंचायत है और उसकी आत्मा पंचायत सचिव हैं। चाहे कितना ही बड़ा आईएएस अधिकारी क्यों न हो, प्रधानमंत्री या राज्य सरकार का निर्णय—सबका वास्तविक क्रियान्वयन पंचायत स्तर पर ही होता है। उन्होंने कहा, "भगवान राम के समय जो असंभव कार्य हनुमान जी करते थे, आज वही काम हमारे पंचायत सचिव करते हैं।

डॉ. यादव ने आईपीएस सर्विस मीट का किया शुभारंभ

नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करना असंभव को संभव करने जैसा : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करना असंभव को संभव करने जैसा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश से नक्सल उन्मुलन के लिए पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस की ड्यूटी में कई तरह की चुनौतियां होती हैं, लेकिन पुलिस बल हर समय अपने कर्तव्य पर उत्साह और उमंग के साथ डटा रहता है ।

सभी पुलिसकर्मी अभिनंदन के पात्र हैं, पुलिस का अनुशासन सराहनीय और अनुकरणीय है। प्रदेश सरकार के लिए वर्ष 2025 उपलब्धियों से भरा रहा है। राष्ट्र विरोधी ताकतों को मध्यप्रदेश पुलिस जड़ से खत्म कर रही है। राज्य में संगठित अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। नशा विरोधी अभियान में प्रदेश पुलिस निरंतर सराहनीय उपलब्धियां हासिल कर रही है। राज्य सरकार और पुलिस नए अनुभवों के साथ आगे बढ़ रही है। देशभक्ति और जन सेवा की भावना को और मजबूत करते हुए मध्यप्रदेश को आंतरिक सुरक्षा का आदर्श प्रदेश बनाए रखना हम सबका लक्ष्य हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आईपीएस सर्विस मीट का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना तथा अध्यक्ष भारतीय पुलिस सेवा संघ चंचल शेखर ने पुष्पगुच्छ और पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सलामी ली और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के साथ उनका ग्रुप फोटो हुआ। पुलिस महानिदेशक श्री मकवाना तथा आईपीएस ऐसोसिएशन के अध्यक्ष चंचल शेखर द्वारा मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि प्रदेश को नक्सलमुक्त करने में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्गदर्शन और उनके द्वारा लिए गए त्वरित निर्णयों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नक्सल आपरेशन्स में पुलिस निरीक्षक आशीष शर्मा का शहीद होना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर ही उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की राहत राशि और छोटे भाई को उप निरीक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। श्री मकवाना ने कहा कि डायल 112 योजना का छह माह में क्रियान्वयन और नए अपराधिक कानूनों को लागू करना वर्ष 2025 की बड़ी उपलब्धि रही। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में संसाधन और रिक्त पदों की पूर्ति करते हुए तैयारियां जारी हैं। मध्यप्रदेश पुलिस बल साइबर अपराध की चुनौती का सामना करने के लिए स्वयं को निरंतर सशक्त और सक्षम बना रहा है।

● चिकलाना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री पर मारा छापा

10 किलो एमडी, बंदूक, 91 कारतूस, दो मोर... चंदन की लकड़ियां मिली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम, एजेंसी। जिले के चिकलाना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। कालूखेड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब ढाई बजे की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 10 किलो से अधिक तैयार एमडी ड्रग, करीब 3 करोड़ रुपए मूल्य का केमिकल, 12 बोर की बंदूक, 91 कारतूस, दो मोर और चंदन की लकड़ियां बरामद की हैं।

पुलिस ने छापे के दौरान 16 लोगों को हिरासत में लिया। करीब 12 घंटे तक चली कार्रवाई के बाद शुक्रवार दोपहर 3 बजे घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। महिलाओं को भी गिरफ्तार कर सीधे कालूखेड़ा थाने ले जाया गया। इस दौरान गांव में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीण आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग करते रहे। जब आरोपियों को पुलिस वाहन में बैठाया जा रहा था, तब ग्रामीणों ने जय जय श्री राम के नारे भी लगाए।

फैक्ट्री मालिक चुनाव लड़ चुका है - पुलिस के अनुसार, जिस मकान में फैक्ट्री चल रही थी, वह दिलावर खान पठान का है। दिलावर चिकलाना गांव का निवासी है और आजाद समाज पार्टी से जुड़ा रहा है। वह यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर का करीबी बताया जा रहा है। दिलावर 2023 में जावरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है और पार्टी का प्रदेश पदाधिकारी भी रहा है।

पूरी तरह गोपनीय रखी गई कार्रवाई - नशे की फैक्ट्री की सूचना मिलने के बाद एसपी अमित कुमार के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। रतलाम से एएसपी राकेश खाखा, ग्रामीण एएसपी विवेक कुमार लाल और जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय पुलिस बल के साथ चिकलाना पहुंचे और एक मकान पर दबिश दी। कार्रवाई इतनी गोपनीय थी कि टीम में शामिल अधिकारियों के अलावा किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी, जिस परिसर में फैक्ट्री चल रही थी, वहीं दिलावर का परिवार भी रहता है। कार्रवाई के दौरान किसी भी परिजन को बाहर नहीं आने दिया गया। मीडिया को भी अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

हथियार और रॉ मटेरियल भी बरामद - पुलिस को मौके से भारी मात्रा में रॉ मटेरियल मिला है, जिससे एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी। साथ ही 12 बोर की बंदूकें और बड़ी संख्या में कारतूस भी जब्त किए गए हैं। एसपी अमित कुमार भोपाल में रहते हुए लगातार कार्रवाई की मॉनिटरिंग करते रहे। पुलिस की विशेष टीमें पिछले तीन दिनों से इलाके की रेकी कर रही थीं।

एमपी में पहली बार राज्य पुलिस ने पकड़ी एमडी फैक्ट्री - बताया जा रहा है कि यह मध्यप्रदेश का पहला मामला है, जिसमें राज्य पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया है। इससे पहले इस तरह की कार्रवाई एनसीबी या अन्य केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जाती रही हैं।

बच्ची रोई तो मां ने गला घोंट दिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा, एजेंसी। छिंदवाड़ा जिले में रिश्तों को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने गुस्से में आकर अपनी ढाई साल की मासूम बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना चांद थाना क्षेत्र के परसगांव की है, जो 10 जनवरी को हुई थी। इसका खुलासा शुक्रवार को हुआ।

मृत बच्ची के पिता रामदास चौरिया (40) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी । पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ कि बच्ची की मौत गला घोंटने से हुई है। इसके बाद पुलिस का शक बच्ची की मां संगीता चौरिया पर गया। चांद थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक ललित बैरागी ने बताया कि घटना दोपहर 3 बजे से 3:25 बजे के बीच की है। बच्ची पूरी तरह सामान्य थी और खाना खाकर घर पर मौजूद थी। इसी दौरान पिता ट्रैक्टर में हवा भरवाने के लिए बच्ची को साथ ले गए। हवा भरवाने के बाद वह बच्ची को घर छोड़कर अपने काम पर निकल गए। पिता के जाते ही बच्ची रोने लगी। मां ने उसे शांत कराने की कोशिश की, लेकिन लगातार पिता के लिए रोने से वह गुस्से में आ गई। इसी दौरान उसने कान में बांधने वाले रूमाल से बच्ची का गला घोंट दिया और बाद में हाथ से भी गला दबाया, जिससे मासूम की मौत हो गई।

विवाह कर थाने पहुंचा प्रेमी जोड़ा, प्रेमिका नाबालिग निकली तो प्रेमी को हो गई जेल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा, एजेंसी। युवक से प्रेम संबंध में एक प्रेमिका ने अपना घर छोड़ दिया। शादी करने के लिए दोनों एक दूसरे के साथ चल दिए। लड़की घर पर नहीं मिली तो स्वजन ने आसपास ढूंढना शुरू किया। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। परेशान होकर स्वजन ने लड़की की गुमशुदगी थाने में दर्ज करवाई।

पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लड़की की तलाश शुरू की। इसी बीच प्रेमी जोड़ा विवाह कर थाने पहुंच गया। यहां दोनों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने दोनों के दस्तावेज देखे तो लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम पाई गई। ऐसे में युवक के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित युवक को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल

भेज दिया गया। वहीं आरोपित के कब्जे से नाबालिग को दस्तयाब कर पुलिस ने स्वजन के सुपुर्द किया। मामला रामेश्वर चौकी क्षेत्र का है। यहां आठ जनवरी को फरियादी ने रिपोर्ट किया कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात बदमाश बहला-फुसलाकर ले गया है। रामेश्वर चौकी पुलिस ने मामले में गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। इसी बीच शुक्रवार को एक युवक 21 वर्षीय पिंकेश पुत्र राजेश निवासी सुदामापुरी खंडवा अपनी प्रेमिका को लेकर चौकी पहुंचा। यहां दोनों ने बताया कि हमने प्रेम विवाह किया है। बालिका की गुमशुदगी पहले से दर्ज थी। ऐसे में दोनों के दस्तावेज चैक किए गए। जिसमें बालिका की उम्र कम पाई जाने पर आरोपित पिंकेश के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया।

संपादकीय

हथियारों से आगे निकला भारत-रूस साथ

भारत और रूस की दोस्ती एक नए लेवल पर जा रही है। यह दोस्ती हथियारों और तेल की आपूर्ति से कहीं आगे होगी। अमेरिका की रूस से तेल खरीद पर सख्त टैरिफ लगाने के बीच भारत और रूस अलग-अलग क्षेत्रों में फोकस कर रहे हैं। रूस की कई कंपनियों ने भारत की कंपनियों के साथ मिलकर बड़े-बड़े जहाजों को बनाने, सूचना प्रौद्योगिकी, अक्षय ऊर्जा, तेल रिफाइन करने और धातु विज्ञान के क्षेत्रों में काम करने की मंशा जाहिर की है। इसके लिए आपस में बातचीत भी चल रही है। यह बातचीत तब हो रही है, जब अमेरिका ने रूसी तेल पर पाबंदी लगा दी है और भारत पर सख्त टैरिफ लगा दिए हैं। भारत-रूस के इस नए फोकस से अमेरिका की टेंशन और बढ़ सकती है। द इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार, खास बात यह है कि रूस जिन सभी गैर ऊर्जा संयुक्त उद्यमों के लिए भारत पर दांव लगा रहा है, उनका उत्पादन भारत में ही किया जाएगा। यानी प्रोडक्शन लोकल लेवल पर किया जाएगा। बीते दिसंबर को रूस-भारत के बीच सालाना शिखर सम्मेलन में इस पर जोर भी दिया गया था। politicstoday.org पर छपे एक लेख के अनुसार, भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट में अभी भी रूस का हिस्सा लगभग 45% है। दिसंबर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि डिफेंस पॉलिसी में सिर्फ खरीदने से भारत में मिलकर उत्पादन करने की तरफ बदलाव आया। हालांकि रूस कई एक्सपोर्ट और कोर टेक्नोलॉजी पर वीटो पावर बनाए रखेगा। पुतिन के दौरे से तेल, फर्टिलाइजर, जरूरी मिनरल्स, न्यूक्लियर रिएक्टर और आर्कटिक तक पहुंच के लिए भारत के लॉन्ग-टर्म सप्लायर के तौर पर रूस की भूमिका और मजबूत हुई। ट्रंप की आपत्तियों के बावजूद, रूस ने भारत को तेल और ईंधन की 'बिना रुकावट' सप्लाई की गारंटी दी है। फर्टिलाइजर और एनर्जी सबसे जरूरी मुद्दे हैं; इनके बिना भारतीय किसानों और इंडस्ट्रीज को नुकसान होगा। इसलिए, दिल्ली मॉस्को का साथ नहीं छोड़ेगा। politicstoday.org के मुताबिक, भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य 2030 तक सालाना व्यापार मूल्य 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। दोनों देश यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर भी आगे बढ़ रहे हैं। वे पश्चिमी देशों के कंट्रोल से बाहर व्यापार को आसान बनाने के लिए रुपये और रूबल का इस्तेमाल करके वैकल्पिक करेंसी चैनल भी बना रहे हैं। पेमेंट के लिए नेशनल करेंसी का इस्तेमाल करने से भारत से रूस को ज्यादा एक्सपोर्ट करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों के बीच व्यापार में काफी असंतुलन है। भारत को रूस को अपना एक्सपोर्ट बढ़ाना होगा, नहीं तो, रुपये का ढेर एक समस्या बन जाएगा।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

नेउर

मौसम का मिजाज बदला हुआ था। बरसात के दिन थे। आकाश में बादल इधर-उधर भाग रहे थे, आपस में गले मिल रहे थे। कभी छाया, तो कभी चमकती धूप हो रही थी। ऐसा लग रहा था मानों सूरज और बादलों में लड़ाई हो रही हो।

वहीं, गांव के बाहर कई मजदूर एक खेत में मेड़ बांध रहे थे। सभी पसीने में तर फावड़े से मिट्टी खोदकर मेड़ पर रख रहे थे। वहां मौजूद पानी के कारण मिट्टी नरम हो गई थी।

तभी गोबर ने अपनी कानी आंख मटका कर कहा – ''अब तो हाथ नहीं चल रहा है भाई, भोजन कर लें।''

नेउर ने हंसकर कहा – ''मैं तुमसे पहले काम पर आया था। पहले यह मेड़ बांध लो फिर भोजन करना।''

इतने में गोबर ने कहा – ''नेउर दादा, तुमने अपनी जवानी में जितना घी खाया था न, हमें अब उतना पानी भी नहीं मिलता।'' नेउर छोटे कद का सांवला, गठीला और फुर्तीला आदमी था। उम्र पचास के ऊपर थी, लेकिन नौजवान उसके बराबर मेहनत करने में हार मान जाते थे। अभी दो-तीन साल पहले ही उसने कुश्ती लड़ना छोड़ा था।

गोबर – ''तम्बाकू पिये बिना तुमसे कैसे रहा जाता है नेउर दादा? हमें तो रोटी मिले न मिले, लेकिन तम्बाकू बिना हम नहीं जी सकते।''

दीना – ''मेहरिया कुछ नहीं करती है? हम तो ऐसी मेहरिया साथ एक दिन न रहें।''

नेउर – ''जवानी तो उसके साथ कटी है, अब बुढ़ापे में उससे कोई काम नहीं होता, तो भला क्या करें?''

गोबर – ''तुमने उसे सिर चढ़ा रखा है, वरना काम क्यों नहीं करेगी? दिनभर मजे से खाट पर बैठी चिलम पीती रहती है और गांव भर से लड़ती है। तुम जरूर बूढ़े हो गए हो, लेकिन वो अब भी जवान ही है।''

उसी वक्त दीना बोला – ''जवान औरत क्या उसकी बराबरी करेगी? आज भी सिंदूर, बिंदी, काजल और मेहंदी में उसका मन बसता है। रंगीन धोती और गहनों के बिना हमने तो कभी उसे देखा नहीं। तुम सीधे हो, इसलिए निभा रहे हो, नहीं तो गली-गली ठोकरें खाती।''

गोबर – ''मुझे तो उसके दिखावे पर गुस्सा आता है। काम कुछ न करेगी, लेकिन पहनने-खाने को अच्छा ही चाहिए।''

नेउर – ''तुम नहीं जानते बेटा, जब वह आई थी तब मेरा हाल ऐसा न था। वह रानी की तरह रहती थी। वक्त बदल गया, लेकिन मन तो अब भी वही है न। जरा-सा चूल्हे के पास बैठ जाए, तो आंखें लाल हो जाती हैं। मुझसे तो यह हाल नहीं देखा जाता है। यहां से जाकर पानी लाऊंगा और रोटी बनाऊंगा, तब जाकर खाएगी। तुम्हारी तरह अकेला रहता, तो तम्बाकू की चार फूंक मारकर और एक लोटा पानी पीकर सो जाता। जब से बिटिया मरी है, तब से वह और सुस्त हो गई है। उसके मन को काफी धक्का लगा है। मां की ममता तुम नहीं समझोगे बेटा, पहले तो डांट-डपट देता था, अब किस मुंह से बोलूं?''

दीना – ''कल तुम पेड़ पर काहे चढ़े थे?''

नेउर – ''बकरी के लिए पत्ती तोड़ रहा था। बिटिया को दूध पिलाने के लिए बकरी ली थी। अब वह भी बूढ़ी हो गई है, लेकिन थोड़ा दूध दे देती है। उसका दूध और रोटी ही मेरी मेहरिया का आधार है।''

शाम होते ही नेउर घर पहुंचा। उसने लोटा उठाया और नहाने की तैयारी करने लगा। तभी स्त्री ने खाट पर लेटे-लेटे कहा, ''इतनी देर क्यों कर दी? काम के पीछे प्राण मत दे दो। जब पगार सबको बराबर मिलती है, तो अकेले तुम क्यों जान देते हो?''

नेउर का मन प्रेम से भर गया। उसने सोचा मेरी स्त्री के दिल में मेरे प्रति कितना प्रेम है। उसे मेरे मरने-जीने की चिंता है।

नेउर बोला – ''तू जरूर पिछले जन्म में देवी रही होगी।''

बुढ़िया बोली – ''रहने दो चापलूसी बंद करो। हमारे आगे कौन है, जिसके लिए इतना हाय-हाय करें?'' नेउर नहा कर लौटा और रोटियां बनाने लगा। चूल्हे से आलू निकाल कर उनका भर्ता बनाया और दोनों साथ खाने लगे।''

बुढ़िया बोली – ''मेरे होने से तुम्हें कोई सुख नहीं मिला न। केवल पड़े-पड़े खाती हूं और तुम्हें तंग करती हूं। इससे अच्छा तो भगवान मुझे उठा लेता।''

नेउर उसकी बात काटते हुए बीच में बोला – ''यमराज आएंगे, तो उनसे कहूंगा कि पहले मुझे ले चलो। भला इस सुनसान झोपड़ी में अकेले कौन रहेगा।''

बुढ़िया बोली – ''तुम न होते, तो मेरा क्या हाल होता, यह सोचते ही मेरी आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है। जरूर मैंने कोई पुण्य किया होगा तभी तुम मिले, वरना किसी और के साथ मैं रह न पाती।'' जैसे शिकारी कांटे में चारा लगाकर मछली को फंसाता है, वैसे ही आलसी और लोभी बुढ़िया जीभ पर रस रखकर नेउर को अपने इशारों पर नचाती थी।

उन दोनों में से पहले कौन मरेगा, इस विषय पर आज उनकी कोई नई बातचीत न थी। पहले भी हजारों बार इस विषय पर चर्चा हुई। नेउर ने मन ही मन यह मान लिया था कि पहले वही जाएगा। वह मेहनत इसलिए करता था, ताकि उसके पीछे बुढ़िया को किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। वह आराम से खा सके। जो काम कोई नहीं कर सकता था, वह नेउर करता था कि चार पैसे जमा हो जाए। बुढ़िया के बगैर वह अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता था, लेकिन आज की बात ने नेउर को सोच में डाल दिया था।

गांव भर में नेउर को काम की कमी न थी, लेकिन मजदूरी कुछ न मिलती थी। एक दिन एक बाबा जी घूमते-फिरते गांव में आ पहुंचे। उन्होंने नेउर के घर के सामने ही डेरा डाल दिया। बाबा जी की सेवा के लिए गांव भर के लोग जमा हो गए। किसी ने लकड़ी दी, किसी ने कंबल का इंतजाम किया, तो कोई आटा-दाल ले आया। नेउर को समझ नहीं आया कि वह क्या करे, तो उसने भोजन बनाने का जिम्मा ले लिया।

बाबा जी भूत-भविष्य बताते थे। दूर-दूर तक लोभ उन्हें छू नहीं सका था। दो-तीन दिनों में ही बाबाजी की चर्चा आसपास के गांवों में होने लगी। नेउर बाबा जी का सबसे बड़ा भक्त था। उसने सोचा कि बस बाबा जी की कृपा बरस जाए, तो सभी दुख-दर्द दूर जाएंगे।

बाबा बोले – ''बच्चा! इस संसार की माया में क्यों फंसे हो?''

नेउर ने सिर झुकाकर कहा – ''महाराज अज्ञानी हूं, क्या करूं? स्त्री है उसे कैसे छोड़ दूं?''

बाबा बोले – ''तुझे लगता है कि तू स्त्री का पालन करता है?''

नेउर बोला – ''तो और कौन सहारा है उसका?''

बाबाजी ने कहा – ''ईश्वर ने संसार की रचना की है। वो सबका पालन कर रहा है और तू कहता है कि तू बुढ़िया का पालन कर रहा है। इतना अभिमान कैसे कर सकता है तू?''

नेउर को ज्ञान बोध हुआ। उसने हाथ जोड़ लिए और बोला – ''अज्ञानी हूं महाराज!'' आंखों से आंसू गिरने लगे। इससे ज्यादा वह कुछ न कह सका।

बाबा बोले – ''ईश्वर का चमत्कार ऐसा है कि वो चाहे तो तुझे लखपति कर दे और क्षण भर में सारी परेशानियां खत्म कर दे। मैं मात्र उसका एक भक्त हूं, मुझमे इतनी शक्ति नहीं है कि तुझे पारस बना दूं। तू सच्चा, ईमानदार और साफ दिल का इंसान है। मुझे तुझ पर दया आती है। तेरे पास कुछ चांदी हो, तो बता मैं तुझे अमीर बना दूंगा।'' नेउर का मन खुशी से खिल गया।

नेउर बोला – ''मेरे पास चंद पैसे हैं और मेरी घरवाली के पास चांदी के कुछ टूटे-फूटे गहने होंगे, मैं ले आऊंगा।''

बाबा बोले – ''जितनी चांदी मिल सके कल रात तक ले आ। मैं तेरे सामने चांदी को हांडी में रखूंगा। प्रात:काल हांडी आकर निकाल लेना।'' नेउर के चेहरे पर खुशी दौड़ गई।

इतने में बाबा बोले – ''लेकिन ध्यान रहे, इन अशर्फियों को जुआ खेलने, शराब पीने या बुरे काम में खर्च मत करना, वरना कोढ़ी हो जाएगा। एक और बात, किसी से इस बात की चर्चा मत करना।''

नेउर वहां से चला आया। खुशी के मारे रात भर उसे नींद नहीं आई। सुबह होते ही वह दो-चार आदमियों के पास उधार मांगने पहुंचा। लोग उसका भरोसा करते थे, इसलिए पैसे दे दिए। नेउर ने किसी तरह पचास रुपये जोड़ लिये। पच्चीस रुपये उसके पास पहले से थे। लेकिन, असल दिक्कत बुढ़िया से चांदी के गहने निकलवाने की थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या बहाना बनाए।

नेउर को एक तरकीब सूझी। वह बुढ़िया से बोला – ''तेरे गहने बहुत मैले हो गए हैं, ला मुझे दे, रात भर मैं खटाई की हांडी में डालकर इन्हें साफ कर दूंगा।'' बुढ़िया ने गहने दे दिए। देर रात जब वह सो गई, तो नेउर गहने लेकर बाबा जी के पास पहुंचा। बाबा ने मंत्र पढ़ा और हांडी में गहनों को रखकर नेउर को आशीर्वाद देकर विदा किया।

नेउर घर तो लौट आया, लेकिन उसकी नींद गायब थी। वह करवटें बदलता रहा। सुबह तक का इंतजार किए बगैर वह अंधेरे में ही बाबा जी के पास पहुंचा। वहां पहुंचते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। बाबाजी वहां नहीं थे।

नेउर की छाती धक-धक करने ली। वह इधर-उधर बाबा को खोजने लगा। हाट-तालाब सब जगह देख आया, लेकिन बाबा कहीं नहीं मिले।

पूरे गांव में बात फैल गई। सब तरह-तरह की बातें करने लगे। लोगों को लगा कि बाबा जी नेउर को बड़ा पसंद करते थे। उसे जरूर बताकर गए होंगे। नेउर की तलाश करते हुए सभी गांव वाले उसकी झोपड़ी के पास पहुंचे। बुढ़िया बाहर आई।

तभी एक ने कहा – ''नेउर ने मुझसे पैसे उधार लिए थे। कहा था शाम को लौटा दूंगा। बगल में खड़े दूसरे आदमी ने भी यही बात कही।''

इतने में बुढ़िया रोने लगी और बोली – ''बीते रोज उसने मेरे सारे गहने मांगे थे, अब पता नहीं कहां चला गया। बुढ़िया नेउर को गालियां देने लगी।'' अब लोग पूरी कहानी समझ गए। वो जान गए कि बाबा नेउर को ठग कर फरार हो गया है। बेचारा नेउर सीधा आदमी बाबा के झांसे में फंस गया। अब लाज के मारे सामने नहीं आ रहा है।

किसी तरह तीन महीने बीते। झांसी जिले में धसान नदी के किनारे एक छोटा गांव था काशीपुर। वहां नदी किनारे एक पहाड़ी टीला था। एक साधु कई दिनों से वहां ढेरा जमाए बैठा था। नाटा कद, सांवला रंग और गठीले शरीर का आदमी था। यह नेउर था, जो साधु के वेश में अब दुनिया को धोखा दे रहा था।

यह वही नेउर था, जो कभी मेहनती और ईमानदार हुआ करता था। गांव से दूर नई जगह आने के बाद भी उसे अपना घर, गांव और बुढ़िया बहुत याद आते थे। वह हर रोज बस यही सोचता था कि कब वह अपने गांव वापस लौटेगा और खुशी से जीवन बिताएगा। ढोंगी बाबा को याद कर उसका मन दुखी भी होता था। उसका हाल ऐसा था कि अगर अभी वह बाबा को पा जाए, तो उन्हें कच्चा ही खा जाए। खैर यहां बाबा बन कर नेउर किसी तरह गुजर-बसर कर रहा था। उसके भक्तों में एक सुंदर स्त्री शामिल थी, जिसकी शादीशुदा जिंदगी कुछ ठीक नहीं थी। एक दिन पारिवारिक कलह के बाद वह रूठकर मायके आ गई, तब से उसका पति उसे लेने नहीं आया था। वह स्त्री किसी तरह अपने पति को वश में करना चाहती थी।

एक रोज उसने बाबा जी को अपनी समस्या बताई। नेउर को जिस शिकार की आस थी, वह उसे मिलता दिखाई पड़ रहा था। वह गंभीर आवाज में बोला, ''बेटी मैं हूं न, मुझ पर भरोसा रख। भगवान ने चाहा, तो सब अच्छा होगा।''

स्त्री बोली – ''मेरे भगवान तो आप ही हो। आप जो बोलोगे वही करूंगी।'' नेउर मन ही मन खुश हो रहा था।

नेउर ने कहा – ''तेरा काम हो जाएगा, लेकिन इसके लिए तुझे बड़ा अनुष्ठान करना पड़ेगा। जिसमें हजारों का खर्च आएगा। उस पर भी तेरा काम सफल होगा या नहीं, यह मैं नहीं बता सकता, क्योंकि सब भगवान के हाथ में है।''

स्त्री किसी तरह अपने पति को वश में करना चाहती थी, इसलिए वह बाबाजी के चरणों में गिर गई और सोने के गहनों की पोटली उनके सामने रख दी। महीनों से जिस समय का इंतजार नेउर कर रहा था, वह आ चुका था, लेकिन उसके हाथ-पांव कांप रहे थे। उसके अंदर अजीब-सी उलझन होने लगी। वह चाह कर भी स्त्री के साथ ठगी नहीं कर पा रहा था। उसके संस्कार उसे इस काम को करने से रोक रहे थे।

अंत में नेउर ने रोते हुए कहा – ''बेटी यह पोटली ले जाओ। मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। तुम्हारी मनोकामना जरूर पूरी होगी।'' इतना कह कर वह वहां से उठा और गांव की ओर निकल पड़ा। रास्ते में तालाब देख उसने स्नान किया। तिलक-भभूत से उसे घृणा हो रही थी। तकरीबन आठ दिन के लंबे सफर के बाद वह गांव पहुंचा। उसे ऐसा लगा, मानो वह बेड़ियों से आजाद हुआ हो और कोई बड़ी जीत हासिल की हो।

उसके पहुंचने की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। कुछ लड़कों ने उसका स्वागत किया और बताया कि दादी तो मर गई। यह सुनते ही नेउर का संसार उजड़ गया। वह कुछ न बोल सका, आंखें भर आईं। वह दौड़ा-दौड़ा झोपड़ी में पहुंचा। किवाड़ खुला था। बुढ़िया की चारपाई जस की तस थी। चिलम और नारियल भी ज्यों के त्यों धरे हुए थे। इतने में पूरा गांव वहां आ पहुंचा। सवालों की झड़ी लग गई।

किसी ने कहा – ''तुम कहां थे नेउर दादा? तुम्हारे जाने के तीन रोज बाद ही दादी चल बसी। दिन-रात तुम्हें कोसती और गालियां देती थी। तुम इतने दिन कहां रहे?''

नेउर के पास कोई जवाब न था। वह कुछ न बोल सका। बिल्कुल मौन हो गया। मानो जिंदा लाश। उस दिन के बाद से किसी ने नेउर को हंसते-बोलते नहीं देखा। वो ना किसी से कुछ कहता और ना कुछ मांगता। गांव के बाहर सड़क किनारे वो बैठ जाता है, जो राहगीर दे जाते, उसी से अपना गुजारा करता। गांव में प्लेग फैल गया, सब गांव छोड़कर भागने लगे, पर नेउर को किसी चीज की परवाह न थी। वह झोपड़ी के बाहर निर्जीव और अचेत पड़ा था।

कहानी से सीख :

मुंशी प्रेमचंद की कहानी नेउर से हमें ये सीख मिलती है कि ईमानदारी और संस्कार सबसे बड़े हैं और इंसान को धन का लोभ नहीं करना चाहिए।

Maharashtra

महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव : 29 में से 23 महानगरपालिकाओं में लहराया भगवा, मुंबई में ठाकरे की बादशाहत खत्म

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक साल बाद नगर निकाय चुनाव में भी भाजपा ने बंपर जीत हासिल की है। राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में हुए चुनाव के शुक्रवार को आए परिणामों के बाद 23 में भाजपा राज कायम हो गया है। वहीं, देश की सबसे समृद्ध बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में अपना मेयर बनाने का भाजपा का 45 साल पुराना सपना पूरा होने जा रहा है। करीब तीन दशक से चल रहा ठाकरे परिवार का राज खत्म हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंपर जीत के लिए महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया है।

मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे व उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ आने का भी दोनों को

कोई लाभ नहीं मिल पाया। यहां 227 सदस्यीय सदन में भाजपा नीत महायुति ने बहुमत के लिए जरूरी 114 सीटों का आंकड़ा पार कर 118 सीटें जीत लीं। भाजपा बीएमसी में 89 सीटें हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सहयोगी शिवसेना को 29 मिलीं। कांग्रेस को 24 सीटों पर जीत हासिल हुई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), राज ठाकरे की मनसे व एनसीपी (शरद पवार) गठबंधन ने 72 सीटें जीतीं। इसमें शिवसेना-यूबीटी ने 65, मनसे ने 6 व एनसीपी-शरद ने एक सीट जीती। एनसीपी-अजीत को तीन व असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एमआईएमआईएम ने आठ सीटें जीतीं, जो मनसे से ज्यादा हैं। सपा को दो सीटें मिली हैं। राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में से मुंबई, ठाणे, पुणे व नासिक में भाजपा-शिवसेना गठबंधन को बड़ी बढ़त मिली है। भाजपा ने पुणे व पिंपरी चिंचवाड़ में पवार परिवार को मात दी है, जहां चाचा-भतीजे की पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था।

Bihar

हत्यारों की हिमाकत!

मारकर दरवाजे पर फेंका; 28 साल की महिला के साथ किसने किया ऐसा?

हाजीपुर, (एजेंसी) आरोपी फरार हो गए। मोबाइल बंद है। घर पर ताला जड़ा है। इनके खिलाफ लिखित शिकायत अभी बाकी है। फिलहाल, पढ़िए वह खबर जो अपराधियों की हिमाकत दिखा रही है। मामला वैशाली जिले के सोनपुर का है। एक नवविवाहिता की गला घोंटकर हत्या करने के बाद ससुराल वालों ने उसका शव मायके के दरवाजे पर फेंक दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सुबह जब मायके वालों की नींद खुली और उन्होंने दरवाजे पर महिला का शव देखा, तो वहां लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस को इसकी सूचना दी गई। शव की पहचान से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पाकर हरिहरनाथ थानाध्यक्ष विमलेश कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान सोनपुर थाने के चिड़िया बाजार (कोइरी पट्टी) निवासी जयप्रकाश महतो की 28 वर्षीय पुत्री सरिता प्रकाश के रूप में हुई है। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि दहेज में 5 लाख रुपये न देने पर ससुराल वालों ने उनकी बेटी की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, जयप्रकाश महतो ने अपनी पुत्री सरिता की शादी पिछले वर्ष 9 मई 2025 को वैशाली जिले के करताहाँ थाना क्षेत्र के करताहाँ बुजुर्ग गांव निवासी सत्येंद्र कुमार (पिता- स्वर्गीय रघुनाथ) के साथ की थी।

Rajasthan

कोटा में 10वीं के छात्र ने कर ली खुदकुशी... मां काम से लौटी तो फंदे से लटका मिला

कोटा, (एजेंसी) राजस्थान के कोटा शहर में एक बार फिर दर्दनाक घटना सामने आई है. उद्योग नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले 16 साल के छात्र ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी. छात्र 10वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था. पहले एक बार परीक्षा में असफल हो चुका था. इस सत्र में वह दोबारा परीक्षा की तैयारी कर रहा था. घटना के समय छात्र के माता-पिता दोनों काम पर गए हुए थे. दोपहर में जब मां घर लौटी, तो बेटे को फंदे पर लटका देख चीख पड़ी. परिजन तत्काल छात्र को न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी अस्पताल पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की. परिजनों का कहना है कि छात्र पढ़ाई को लेकर कभी-कभी तनाव में रहता था, लेकिन उसने ऐसी कभी कोई बात नहीं बताई. पिता का कहना है कि बेटा इस बार पढ़ाई को लेकर पहले से ज्यादा गंभीर था और दोबारा परीक्षा देने की तैयारी कर रहा था. परिवार इस घटना के बाद से गहरे सदमे में है.

Punjab

राणा बलाचौरिया हत्याकांड का शूटर ढेर

रिकवरी करवाने ले गई पुलिस को चकमा देकर भागा, क्रास फायरिंग में लगी गोली

मोहाली, (एजेंसी) मोहाली में कबड्डी खिलाड़ी राणा बलाचौरिया हत्याकांड के मुख्य शूटर करन को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। मुठभेड़ न्यू चंडीगढ़ में क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहाली हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि आरोपी करन को पुलिस रात को .34 बोर का पिस्टल रिकवर करवाने ले गई थी। इसी दौरान वह पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। आरोपी छह से सात घंटे फरार रहा है। सुबह करीब छह बजे उसके मुल्लांपुर में होने के इनपुट के बाद पुलिस ने ट्रैप लगाया तो आरोपी ने फायरिंग कर दी। क्रॉस फायरिंग में आरोपी ढेर हो गया। मुठभेड़ में एक

पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। करन डिफॉल्टर ने मौके पर 6 से 7 राउंड फायर किए और पुलिस 9 के करीब राउंड फायरिंग की है। कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ राणा बलाचौरिया के तीन हत्यारोपियों को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया

खेल

टी20 टीम में श्रेयस अय्यर की वापसी, वाशिंगटन सुंदर की जगह इस स्पिनर को मिला मौका

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी हो गई है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जल्द शुरू होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया। उन्हें तिलक वर्मा की जगह शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। इसके अलावा बोर्ड ने बताया कि वाशिंगटन सुंदर टी20 टीम से भी बाहर हो गए हैं। उनकी जगह रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है।

हाल ही में बीसीसीआई ने स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी थी और बताया था कि उनकी राजकोट में सर्जरी हुई, जिसके बाद वह तीन टी20 मैचों के लिए टीम से बाहर हो गए। बीसीसीआई ने तिलक के बारे में अपडेट देते हुए कहा था,

'तिलक की बुधवार राजकोट में सर्जरी हुई है। वह पेट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें गुरुवार की सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह शुक्रवार को हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। तिलक फिलहाल ठीक हैं और बीमारी से उबर रहे हैं। तिलक पूरी तरह ठीक होने और घाव के संतोषजनक रूप से भरने के बाद शारीरिक प्रशिक्षण फिर से शुरू करेंगे और धीरे-धीरे कौशल-आधारित गतिविधियों में लौटेंगे।'

अब श्रेयस अय्यर को शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए टी20 टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने भारत के लिए पिछला टी20 मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसके बाद से वह टी20 टीम का हिस्सा नहीं थे। फिलहाल वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में धमाल मचा रहे हैं। पहले मुकाबले में उन्होंने 49 रनों की धुआंधार पारी खेली थी।

भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। दरअसल, 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान गेंदबाजी करते समय सुंदर को निचली पसलियों के पास अचानक दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद उनके स्कैन कराए गए और एक विशेषज्ञ डॉक्टर से प्रत्यक्ष परामर्श लिया गया। जांच में उनके साइड स्ट्रेन (पसलियों की मांसपेशियों में खिंचाव) की पुष्टि हुई है। चोट को देखते हुए उन्हें कुछ दिनों के आराम की सलाह दी गई है। इसके बाद वह अपनी आगे की चोट प्रबंधन प्रक्रिया के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिपोर्ट करेंगे।इस बीच, पुरुष चयन समिति ने वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है।

सिनेमा

'दस करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे...', सिंगर बी प्राक को लॉरेंस गैंग से मिली धमकी

पंजाबी सिंगर बी प्राक को धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग ने सिंगर से दस करोड़ की फिरौती मांगी है। पंजाबी सिंगर दिलनूर को 6 जनवरी की दोपहर ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी गई है। इससे पहले सिंगर दिलनूर को ही पांच जनवरी को दो बार फोन भी आया था। लेकिन दिलनूर ने कॉल रिसीव नहीं की थी। छह जनवरी को भी विदेश के नंबर से फोन किया गया था। एएनआई के अनुसार, पंजाबी गायक दिलनूर ने एसएसपी मोहाली के पास एक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, उन्हें एक विदेशी नंबर से धमकी भरे कॉल आए हैं। कॉल करने वाले ने खुद को अरजू बिश्नोई बताया और गायक दिलनूर से कहा कि वह अपने दोस्त, बॉलीवुड और पंजाबी गायक बी प्राक के लिए 10 करोड़ रुपये की फिरौती का संदेश दें। कॉल करने वाले ने चेतावनी दी कि यदि एक हफ्ते के अंदर फिरौती की रकम नहीं दी गई तो बी प्राक को गंभीर नुकसान पहुंचाया जाएगा। दिलनूर ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्हें 5 जनवरी को एक विदेशी नंबर से दो मिस्ड कॉल आए थे, लेकिन उन्होंने उनका जवाब नहीं दिया। अगले दिन, 6 जनवरी को, उन्हें एक दूसरे विदेशी नंबर से कॉल आया। जब दिलनूर ने फोन उठाया, तो उन्हें बातचीत संदिग्ध लगी और उन्होंने तुरंत कॉल काट दिया।

Highlights

1. **Have given him away for Maha: Fadnavis' wife after civic poll win**
2. **Indore Mayor drinks tap water after pipeline repair, days after contamination deaths**
3. **Protests erupt after WB migrant worker's death in Jharkhand**
4. **BJP spreading hatred: Waris on Rahman blaming 'communal thing' for losing work**
5. **Ganga Sabha installs boards barring non-Hindus at Har-ki-Pauri in U'khand**

Gems, jewellery exports stay almost flat despite 44% decline in exports to US

NEW DEIHI, (Agency). India's gem and jewellery exports were almost flat during April-December 2025 over the previous year, but exports to the United States during the same period declined 44% from $6.95 billion in April–December 2024 to $ 3.86 billion for the nine months of 2025, the Gem and Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) said on Friday.

Provisional exports for the nine-month period of 2025 stood at $ 20.75 billion, a marginal year-on-year decline of 0.41%, while recording a growth of 3.69% in rupee terms.

Exports to the US declined 50.44% year on year in December 2025, reflecting tariff-related pressures and subdued discretionary demand. The United States is India's largest export market for gems and jewellery, accounting for nearly 30% of total exports, according to the council.

In a statement, GJEPC chairperson Kirit Bhansali said the sharp decline in shipments was a matter of serious concern. "Prolonged uncertainty around tariffs could adversely impact the long-term viability of the US market for Indian jewellery exporters. That said, we have full faith in the Government of India and remain hopeful that ongoing bilateral trade discussions will lead to a positive and timely resolution," he said. Surat, which processes eight out of every ten diamonds sold globally, has been facing sustained challenges in recent years. Global disruptions, including supply chain constraints, declining demand, and United States sanctions on polished diamonds made from Russian rough stones that account for nearly 33% of Surat's supply, have led to factory slowdowns and job losses. According to GJEPC, the growth in jewellery exports offset moderation in diamonds, with gold, silver and platinum jewellery compensating for lower exports of cut and polished diamonds and lab-grown diamonds.

Reliance clocks flat profit in Q3 as weak O2C revenue offsets gains in Jio

NEW DEIHI, (Agency). Reliance Industries Ltd. barely grew its bottomline in the fiscal third quarter as weak oil & gas revenue offset gains in the telecom and retail businesses.

Consolidated net profit of India's largest company by market capitalisation rose 0.56% year-on-year to ₹18,645 crore on revenue that increased 10.51% to ₹2,69,496 crore, according to an exchange filing on Friday. Analysts polled by Bloomberg had estimated the bottomline at ₹19,896 crore.

RIL Q3 Results (Consolidated, YoY) - Revenue up 10.51% at ₹2,69,496 crore (Estimate: ₹2,57,038 crore)

EBITDA up 5.09% at ₹46,018 crore (Estimate: ₹47,997 crore)

EBITDA margin down 88 bps at 17.07% (Estimate: 18.7%)

Net profit up 0.56% at ₹18,645 crore (Estimate: ₹19,896 crore)

One basis point is one-hundredth of a percentage point.

On Friday, RIL shares fell 0.06% to ₹1457.60 apiece on the BSE even as the benchmark Sensex ended the 0.23% higher at 83,570.35 points. The quarterly results were declared after market hours.

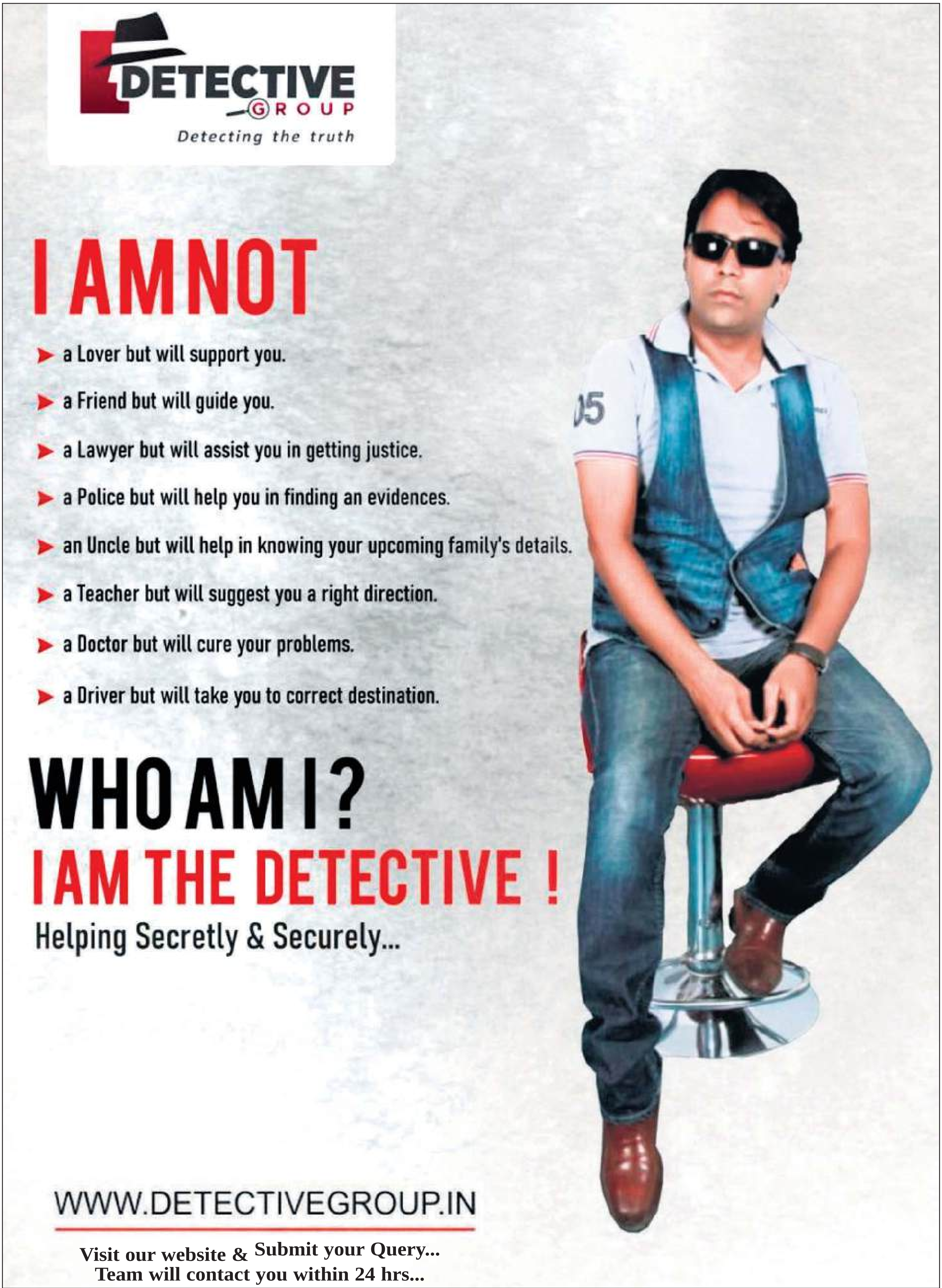

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक